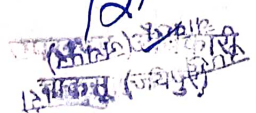


दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	<p>             प पत्रावली का अवलोकन करने के              उपरान्त हम पाते हैं कि ७१ पत्र              के नं. ७ में वर्णित वास्तविक              आराजी प्रार्थी का (खातेदारी)              में दर्ज सूत्रि हैं। किन्तु एवं प्रार्थी              अपने हित में खातेदारी सूत्रि              पर काबिज काइत हैं। अतः प्रथम              दृष्ट्या मामला एवं सुविधा का              संतुलन एवं प्रार्थी के पक्ष में किया              देना है। यदि अपार्थी प्रार्थी को जाकर              बेदखल करेगा तो प्रार्थी को अपूरणीय              क्षति काहेत होने की पूर्ण संभावना है।              अतः प्रार्थी का              ७१ पत्र स्वीकार किया जाकर              उमयपक्षों को तर्कसंगतता के              प्रार्थी की सूत्रि पर मौके की              यथास्थिति बनाए रखने हेतु पाबंद              किया जाता है।           </p> <p style="text-align: right;">             पत्रावली के लिये शुरू              होकर ११ नम्बर तक का है           </p> <p style="text-align: right;">             दि।   </p>